प्रा. डॉ. वाय.बी. धुमाळ
एम.ए.,पी-एच्.डी.
रीडर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
वेणूताई चव्हाण कॉलेज, कराड

- प्र मा ण प त्र -

यह प्रमाणित किया जाता है कि, प्रा. कु. अलका देविदास निकम ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए " **भैरवप्रसाद गुप्त के उपन्यासों में प्रगतिवादी चेतना** " शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। प्रा. कु. अलका देविदास निकम के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

कराड
दिनांक : 30-12-93

प्रा.डॉ. वाय.बी. धुमाळ
शोध-निर्देशक

000

Reader and Head
Department of Hindi,
Shivaji University,
Kolhapur - 416004

30-12-93

- प्र ख्या प न -

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

सांगली

दिनांक : 30/12/83

Anikam

प्रा.कु. ए.डी. निकम

000

भैरवप्रसाद गुप्त